(c) During the VIIIth Plan, a sum of Rs 152.7 crores has been allocated to Orissa State.

Misuse of Funds by Indian Missions Abroad

1263. SHRI KRISHNA KUMAR B1RLA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to
state:

(a) whether lapses in the maintenance of accounts by any Indian Missions abroad have been found recently;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government propose to adopt strict measures to check misuse of funds by the Indian Missions abroad; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI IK. GUJRAL): (a) to (d) Accounts arc prepared in our Missions abroad in accordance with laid down rules and regulations and every care is taken to ensure their compliance. These are regularly sent to the Office of the Chief Controller of Accounts, Ministry of External Affairs in the form of a cash account every month. Necessary corrective measures have been taken whenever any discrepancies or lapses have been noticed in the accounts. These accounts are subject to post-audit in the Office of Chief Controller of Accounts, Ministry of External Affairs, and are also audited by Statutory Audit.

हिन्दी का प्रचार-प्रसार करने के लिए सहायता प्राप्त कर रहे देश

1264. **श्री अजीत जोगी:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत सरकार द्वारा किन-किन देशों को हिन्दी के प्रचार-प्रसार, अध्ययन और अध्यापन हेतु सहायता दी गई है या दी जा रही है और किस प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई गई है; और

(ख) सरकार द्वारा किन-किन देशों में हिन्दी अध्यापक और हिन्दी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं या नियुक्त किए जाने हैं?

विदेश मंत्री (श्री इन्द्र कुमार गुजराल): (क) भारत सरकार की ओर से हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए विदेशों को प्रत्यक्ष रूप से कोई सहायता नहीं दी जाती। तथापि, अपने मिशनों के माध्यम से विदेशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए मंत्रालय की अपनी एक सुविचारित योजना है। इस योजना के निम्नलिखित अंग हैं:—

(I) भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, दर्शन इत्यादि जैसे विभिन्न विषयों से संबंधित मानक हिन्दी साहित्य विदेशों में हिन्दी पढ़ाने वाली स्थानीय शैक्षिक संस्थाओं, स्वैच्छिक संगठनों इत्यादि को भेजा जाता है;

(II) हिन्दी पाठ्य-पुस्तकों तथा चार्ट आदि जैसे सहायक शिक्षण सामग्री का वितरण किया जाता है;

(III) विदेशों में हिन्दी पढ़ाने वाले स्थानीय संगठनों के लिए श्रव्य-दृश्य कैसेटों, कम्प्यूटरों और सॉफ्टवेयरों की व्यवस्था की जाती है;

(IV) उपर्युक्त सामग्री उन्हें भेंट स्वरूप प्रदान करके हिन्दी भाषा से संबंधित उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थानीय संगठनों, भारतीय समुदाय के लोगों के साथ निकट संपर्क बनाए रखा जाता है।

(V) द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दी का अध्ययन कर रहे विदेशी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

विदेश स्थित भारतीय मिशनों द्वारा जिन देशों में हिन्दी पढ़ने/पढ़ाने की व्यवस्था की गई है, उनकी सूची संलग्न विवरण-I में देखी जा सकती है। (नीचे देखिए)

(ख) हमारे पांच मिशनों में हिन्दी अधिकारी के पद हैं जिनके नाम हैं, पोर्ट ऑफ स्पेन; पोर्ट लुई, पारामारिबो, लंदन और काठमाण्डू। इसके अतिरिक्त जिन देशों में हिन्दी प्राध्यापक प्रतिनियुक्त किए गए हैं उनकी सूची संलग्न विवरण-II पर है।

विवरण-I

विदेश स्थित जिन मिशनों में हिन्दी के अध्ययन की व्यवस्था की गई है, उनकी सूची

1. भारत का हाईकमीशन, इस्लामाबाद
2. भारत का हाईकमीशन, पोर्ट ऑफ स्पेन
3. भारत का राजदूतावास, मास्को
4. भारत का प्रधान कौंसलावाल, न्यूयार्क
5. भारत का हाईकमीशन, कोलंबो
6. भारत का राजदूतावास, यांगोन